

ट्राई सिटी में टैक्सी-फ्रेट और रोजमर्रा की चीजों पर बढ़ेगी महंगाई की रफ्तार

पेट्रोल-डीजल महंगे होने का ट्राइसिटी पर भी होगा असर, परिवहन, उद्योग और घरेलू वजत पर दबाव बढ़ा

समर न्यूज़ | मोहाली

देशभर में हाल ही में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का सीधा असर अब ट्राइसिटी - चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में महसूस किया जाने लगा है। यह बढ़ोतरी चार साल बाद पहली बड़ी वृद्धि मानी जा रही है, जिसने परिवहन, उद्योग और आम लोगों के मासिक बजट पर तुरंत दबाव डाल दिया है। ट्राइसिटी में पेट्रोल-डीजल की नई दरें लगभग 97 रुपये से 101 रुपये प्रति लीटर के बीच पहुंच गई हैं जबकि डीजल भी 90 रुपये के आसपास या उससे ऊपर पहुंच चुका है, जिससे रोजमर्रा की आवाजाही और माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है।

■ **परिवहन सेक्टर पर सबसे ज्यादा असर**

ट्राइसिटी की लाइफलाइन माने जाने वाले टैक्सी, ऑटो और कैब सेवाओं पर सबसे पहले असर पड़ा



है। चंडीगढ़ और पंचकूला में टैक्सी यूनियनों ने किराया बढ़ाने की मांग शुरू कर दी है। ऑटो यूनियन का कहना है कि सीएनजी और ईंधन दोनों की लागत बढ़ने से पुरानी दरों पर काम संभव नहीं। एग्रीगेटर कैब ड्राइवर्स ने भी प्रति किलोमीटर किराया बढ़ाने की मांग उठाई है। हालांकि प्रशासन ने अभी किराया वृद्धि की कोई आधिकारिक मंजूरी नहीं दी है, लेकिन दबाव लगातार बढ़ रहा है।

■ **उद्योग और व्यापार पर भी गहरा प्रभाव**

मोहाली और चंडीगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों में ट्रांसपोर्ट लागत बढ़ने से उत्पादन खर्च में इजाफा शुरू हो गया है। प्लास्टिक और स्टील जैसी कच्ची सामग्री की कीमतें पहले से बढ़ी हुई हैं। अब फिनिश प्रोडक्ट पैदा करती है, जिससे हर वस्तु की लागत प्रभावित होती है।

■ **लोग बोले- हम पर बढ़ेगा बोझ**

चंडीगढ़ के एक यूजर अमनदीप सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पेट्रोल बढ़ते ही हर चीज महंगी हो जाती है, आम आदमी सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। मोहाली के व्यापारी रमेश शर्मा ने कहा कि ट्रांसपोर्ट खर्च

यदि ईंधन की कीमतें स्थिर नहीं हुईं, तो आने वाले हफ्तों में उत्पादों की कीमतों में और बढ़ोतरी संभव है।

■ **आम लोगों की जेब पर भी चलेगी कैची**

घरेलू बजट पर भी इसका सीधा असर दिखने लगा है। सब्जी और दूध जैसी रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ने की आशंका है। स्कूल बैग और लोकल ट्रांसपोर्ट की फीस में बढ़ोतरी का दबाव बढ़ रहा है। ऑनलाइन डिलीवरी और कूरियर चार्ज भी महंगे होने लगे हैं। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, ईंधन की कीमतों में यह वृद्धि चेन इफेक्ट पैदा करती है, जिससे हर वस्तु की लागत प्रभावित होती है।

■ **लोग बोले- हम पर बढ़ेगा बोझ**

चंडीगढ़ के एक यूजर अमनदीप सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा कि पेट्रोल बढ़ते ही हर चीज महंगी हो जाती है, आम आदमी सबसे ज्यादा प्रभावित होता है। मोहाली के व्यापारी रमेश शर्मा ने कहा कि ट्रांसपोर्ट खर्च

बढ़ने से व्यापार मार्जिन घट जाएगा। पंचकूला की गृहिणी नीलम राठी ने लिखा कि हर महीने बजट बिगड़ रहा है, सब्जी से लेकर स्कूल फीस तक असर है।

विशेषज्ञों की राय

अर्थशास्त्रियों का मानना है कि यदि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहें, तो आने वाले महीनों में महंगाई और बढ़ सकती है। हालिया वैश्विक तनाव और सलाई बाधाओं को भी इसका कारण बताया जा रहा है। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतें ट्राइसिटी की अर्थव्यवस्था के हर स्तर को प्रभावित कर रही हैं, चाहे वह उद्योग हो, परिवहन हो या आम घर का बजट। आने वाले दिनों में प्रशासन और उद्योग जगत के बीच किराया और कीमतों को लेकर नए फैसले देखने को मिल सकते हैं। लेकिन फिलहाल आम जनता के लिए महंगाई का दबाव बढ़ना तत् माना जा रहा है।

रेलवे अंडरपास परियोजना को लेकर अधिकारियों का दौरा

करुणा मित्तल | बलढाना समर न्यूज़

आज उत्तर रेलवे अंबाला मंडल से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (Sr DCM) ईस्मिंत सिंह, वरिष्ठ मंडल अभियंता (Sr DEN) नवीन छिकारा सहित प्रोटोकॉल, सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी रायपुर कलॉ-हरमिलाप नगर रेलवे क्रॉसिंग नंबर 123 पर पहुंचे। अधिकारियों ने 20 मई को होने वाले बहुव्रतीक्षित रेलवे अंडरपास परियोजना के शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस अवसर पर जॉइंट एक्शन कमेटी की पूरी टीम, प्रधान प्रताप सिंह राणा की अध्यक्षता में मौके पर उपस्थित रही और पहुंचे हुए अधिकारियों का खादी ग्रामोद्योग चंडीगढ़ के सदस्य व राजस्थान परिवार के संस्थापक पवन शर्मा ने परना पहनाकर सम्मान किया। अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया और कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर चर्चा की।

पंजाब-चंडीगढ़ में गर्मी का कहर बढ़ने के आसार

कल से 5 दिनों तक हीट वेव का अलर्ट



करुणा मित्तल | चंडीगढ़ समर न्यूज़

पंजाब और चंडीगढ़ में शनिवार को मौसम पूरी तरह शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग की ओर से आज किसी प्रकार की बारिश या आंधी का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को दिन के समय उमस और गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार रविवार से अगले पांच दिनों तक पंजाब और चंडीगढ़ के कई इलाकों में हीट वेव चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान में करीब 3 से

4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। कई शहरों में तापमान 44 डिग्री के आसपास पहुंचने के अनुमान हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, अधिक पानी पीने और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। प्रशासन ने भी लोगों से सतर्क रहने और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की है। मौसम विभाग का कहना है कि फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है, जिसके कारण बारिश की संभावना बेहद कम बनी हुई है। आने वाले दिनों में लगातार बढ़ती गर्मी लोगों की परेशानियां बढ़ा सकती है।

मोहाली के वार्ड नंबर-18 से नरपिंदर सिंह रंगी ने भरा नामांकन पत्र, पहले भी रह चुके हैं एमसी

हरजीत मठाड़ | मोहाली समर न्यूज़

मोहाली नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां लगातार बढ़ रही हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान विभिन्न वार्डों से उम्मीदवार अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल कर रहे हैं। इसी कड़ी में वार्ड नंबर-18 से उम्मीदवार नरपिंदर सिंह रंगी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के दौरान उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में खासा उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में समर्थक उनके साथ मौजूद रहे और जीत के नारे लगाए। नरपिंदर सिंह रंगी पेशे से वकील हैं और इससे पहले भी नगर निगम में एमसी (पार्षद) के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। क्षेत्र में



उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है और लोगों के बीच उनकी सक्रियता लगातार बनी रही है। नामांकन के बाद पत्रकारों से बातचीत में नरपिंदर सिंह रंगी ने कहा कि वह वार्ड के लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल कराने के उद्देश्य से चुनाव मैदान

में उतरे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने और लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने वार्डवासियों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें समर्थन देकर विजयी बनाएं ताकि वह जनता की उम्मीदों पर खरा उतर सकें।



बस में बैठी छोटी बच्ची पसीने में भीगी हुई

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी समर न्यूज़

नगर परिषद चुनाव के नामांकन भरने के आखिरी दिन एसडीएम कार्यालय के बाहर उमड़ी भीड़ ने गुरुवार दोपहर को ट्रैफिक अस्तव्यस्त कर दिया। बढ़ती भीड़ और खड़े वाहनों के चलते स्कूल बसों को निकलने का रास्ता नहीं मिला, जिससे कई सैकड़ों बच्चे गर्मी में फंस गए और आधे घंटे से अधिक समय तक बसों में ही बैठे परेशान रहे। घटना



दाएं) भीड़ में फंसी स्कूल बस।

तब हुई जब गुरु हरि कृष्ण पब्लिक स्कूल से दोपहर में छुट्टी हुई। स्कूल के गेट पर खड़ी दर्जन भर बसों काफ़ी देर तक जाम में फंसी रहीं। बसों में बैठे छोटे-छोटे बच्चों ने पसीने से तर कपड़े और बेचैनी के साथ इंतज़ार किया। कुछ बच्चों ने अपने माता-पिता और परिचालकों से परेशान होकर पानी की मांग की, जबकि कई बच्चों के चेहरे पर थकावट और असहजता स्पष्ट दिख रही थी। अध्यापकों और बस परिचालकों ने जोर देकर कहा कि वह कई बार भीड़



रस्ते में खड़े वाहन, जिसके कारण स्कूल बस को रास्ता मिल रहा। - समर न्यूज़

से रास्ता बनाने की अपील कर चुके थे, लेकिन आसपास कोई ट्रैफिक कंट्रोल करने वाला मौजूद नहीं था। कई माता-पिता जो बच्चों को लेने आए थे, उन्होंने प्रशासन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि नामांकन के आखिरी दिन स्थिति बिगड़ने की आशंका पहले से थी, फिर भी व्यवस्थित कंट्रोल की कोई व्यवस्था क्यों नहीं की गई। स्कूल स्टाफ ने बच्चों की सुरक्षा के लिए तुरंत पानी और प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराई, परन्तु कई अभिभावक इसे



प्रशासन की बड़ी लापरवाही मान रहे हैं। उनके अनुसार बसों में बैठे छोटे बच्चों के आराम व सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए था, खासकर तेज धूप और गर्मी में। स्थानीय लोग और अभिभावक मांग कर रहे हैं कि भविष्य में चुनावी गतिविधियों के समय स्कूलों और विद्यार्थियों के रूटों को ध्यान में रखते हुए यातायात मार्ग साफ रखें और अलग से ट्रैफिक व्यवस्था की जाए, ताकि बच्चे ऐसी परेशानियों से बचें। डेराबस्सी प्रशासन से भी



तत्काल कार्रवाई और आगे के लिए बेहतर समन्वय की अपेक्षा जताई जा रही है। आज पैदा हुई समस्या में डेराबस्सी प्रशासन की लापरवाही साफ नजर आई। हालात ज्यादा खराब होने पर ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर पहुंच को स्थिति को कंट्रोल करने की कोशिश की। दूसरी तरफ हल्का विधायक की कुलजीत सिंह रंधावा ने जाम में फंसी बसों को रास्ता देने की अपील करने पर लोगों ने अपने वाहन हटा कर रास्ता बनाया।

सेक्टर-4 आरडब्ल्यूए ने पार्षद दीपक गर्ग का किया सम्मान

करुणा मित्तल | पंचकूला समर न्यूज़

सेक्टर-4 स्थित श्री कृष्णा रिसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन की गवर्निंग बॉडी की बैठक में वार्ड नंबर-13 के नवनिर्वाचित नगर पार्षद दीपक गर्ग विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल हुए। बैठक में आरडब्ल्यूए के प्रधान सुरिंदर अरोड़ा सहित अन्य सदस्यों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को पार्षद के समक्ष प्रमुखता से उठाया। इनमें सफाई व्यवस्था में सुधार, आतंरिक सड़कों के पुनर्निर्माण, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, सीसीटीवी कैमरों की आवश्यकता, आगगा कुत्तों और बेसहारा पशुओं की समस्या के साथ बच्चों के लिए खेल मैदानों की कमी जैसे मुद्दे शामिल रहे।

ओवरलोड वाहनों पर ट्रैफिक पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बरवाला-मौली रोड पर दो ट्रैक्टर-ट्रालियां पकड़ीं, 55 हजार के चालान के साथ वाहन इंपाउंड



करुणा मित्तल | पंचकूला समर न्यूज़

सड़क सुरक्षा को लेकर सख्ती बरत रही ट्रैफिक पुलिस ने बरवाला-मौली रोड पर औचक नाकाबंदी कर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ बड़ी

कार्रवाई की। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने दो ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रालियों को रोककर जांच की, जिनमें निर्धारित क्षमता से अधिक सामान भरा हुआ पाया गया। सूरजपुर ट्रैफिक एसएचओ अभिषेक की मौजूदगी में वाहनों के दस्तावेजों

और यातायात नियमों की जांच की गई। जांच के दौरान कई अन्य नियम उल्लंघन भी सामने आए, जिसके चलते दोनों वाहनों के कुल 55 हजार रुपये के चालान किए गए। साथ ही दोनों ट्रैक्टर-ट्रालियों को मौके पर ही इंपाउंड कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार ट्रैफिक पुलिस द्वारा क्षेत्र में विशेष चेंकिंग अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान पाया गया कि दोनों वाहन क्षमता से अधिक भार लेकर सड़क पर चल रहे थे, जिससे अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो रहा था। अधिकारियों ने कहा कि ओवरलोड वाहन सड़क दुर्घटनाओं की बड़ी वजह बनते हैं और यातायात नियमों का गंभीर उल्लंघन है।

श्मशान घाट में चला सफाई अभियान

महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट ने किया सौंदर्यीकरण



करुणा मित्तल | मनीमाजरा समर न्यूज़

सामाजिक सेवा और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए महाराजा अग्रसेन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा मनीमाजरा स्थित श्मशान घाट में विशेष सफाई एवं सौंदर्यकरण अभियान



चलाया गया। इस अभियान के तहत श्मशान घाट परिसर की सफाई कारवाई गई तथा वहां मौजूद पेड़ों का सौंदर्यकरण भी किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। अभियान के दौरान



परिसर में साफ-सफाई के साथ-साथ हरियाली को आकर्षक बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट से जुड़े डॉ . आकाश गोयल ने कहा कि समाज के सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ट्रस्ट



द्वारा इस प्रकार के सामाजिक कार्य लगातार किए जाते रहेंगे। ट्रस्ट के अन्य सदस्यों ने भी लोगों से अपने आसपास सफाई बनाए रखने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस सफाई अभियान को स्थानीय लोगों ने भी सराहा और ट्रस्ट की पहल की प्रशंसा की।

हाईकोर्ट के आदेशों के पालन की मांग

चंडीगढ़ इंडस्ट्रियल एरिया फ्लाइओवर पर संकट के बादल छाए

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ के बहुचर्चित इंडस्ट्रियल एरिया फ्लाइओवर प्रोजेक्ट पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की ओर से पेड़ों की कटाई पर रोक लगाने के आदेश ने एक बार फिर परियोजना के भविष्य को अनिश्चित कर दिया है। अदालत के इस अंतरिम आदेश के बाद जहां प्रशासनिक हलकों में चिंता बढ़ी है, वहीं पर्यावरण कार्यकर्ताओं और सचिविक ग्रुप ने इसे हरित क्षेत्र की जीत बताया है। हालांकि यह प्रोजेक्ट पहले ही कई बार कानूनी और तकनीकी अड़चनों का सामना कर चुका है, लेकिन ताजा रोक ने इसकी समयसीमा, लागत और क्रियान्वयन रणनीति पर सीधा असर डाल दिया है।

■ **क्या है ताजा कोर्ट आदेश?**

हाईकोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि जब तक मामले की अंतिम सुनवाई नहीं



हो जाती, तब तक किसी भी पेड़ की कटाई या छंटाई नहीं की जाएगी। अदालत ने यह भी माना कि यह मामला पर्यावरणीय प्रभाव और शहर की मास्टर प्लानिंग से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। यह आदेश उस समय आया है जब प्रशासन ट्रैफिक जाम कम करने के लिए निर्माण कार्य शुरू

करने की तैयारी में था।

■ **परियोजना पर क्या होगा असर?**

1. निर्माण कार्य में देरी

सबसे बड़ा असर परियोजना की समयसीमा पर पड़ेगा। पहले से 10 साल से अटकी इस योजना में अब फिर से अनिश्चित देरी तय मानी जा

रही है।

2. लागत में बढ़ोतरी

विशेषज्ञों के अनुसार, हर देरी से निर्माण लागत में 10-15% तक वृद्धि हो सकती है। पहले ही यह परियोजना कई बार संशोधन के बाद महंगी हो चुकी है।

3. डिजाइन पर पुनर्विचार की

संभावना

कोर्ट में उठे सवालों के बाद प्रशासन को फ्लाइओवर डिजाइन, ग्री-कटिंग योजना और अंडरपास विकल्पों पर फिर से विचार करना पड़ सकता है।

■ **पर्यावरण बनाम विकास की बहस तेज**

इस मामले ने एक बार फिर शहर के विकास मॉडल पर बहस छेड़ दी है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि चंडीगढ़ का मास्टर प्लान 2031 पैदल यात्रियों और हरियाली को प्राथमिकता देता है, न कि फ्लाइओवर आधारित मॉडल को। वहीं प्रशासन का तर्क है कि ट्राइसिटी की बढ़ती आबादी और ट्रैफिक दबाव को देखते हुए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित जरूरी है।

■ **सोशल मीडिया पर लोग खर रहे अपनी राय**

सोशल मीडिया पर इस फैसले को लेकर दो भड़े बन गए हैं। चंडीगढ़ ग्रीन क्लेक्टिव की सदस्य अमृता

कौर ने लिखा कि शहर की हरियाली बचाना विकास से ज्यादा जरूरी है। वहीं इंडस्ट्रियल एरिया के कारोबारी रमेश गुप्ता ने प्रतिक्रिया दी कि हर बार कोर्ट रोक से व्यापार और आवाजाही प्रभावित होती है। ट्रैफिक से परेशान एक नागरिक सुमित शर्मा ने कहा कि फ्लाइओवर जरूरी है, लेकिन पेड़ों की कीमत पर नहीं।

आगे क्या?

अब पूरा मामला अदालत की अंतिम सुनवाई पर निर्भर है। यदि हाईकोर्ट स्थायी रोक लगाता है, तो परियोजना या तो पुनः डिजाइन होगी या लंबे समय के लिए ठंडे बस्ते में जा सकती है। फिलहाल प्रशासन के सामने चुनौती यह है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए एक ऐसा समाधान निकाला जाए जो शहर की जरूरतों और प्राकृतिक संरचना- दोनों को साथ लेकर चले।

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी समर न्यूज़

पंचकूला में सड़कों और रिहायशी इलाकों में बढ़ते अतिक्रमण तथा पार्किंग अव्यवस्था को लेकर विकास प्राधिकरण (HSVP) और प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंच की ओर से एस्टेट ऑफिसर HSVP को पत्र भेजकर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार शहर में ROW (राइट ऑफ वे) को पूरी तरह खाली करवाने की अपील की गई है। विकास मंच के प्रतिनिधियों राकेश अग्रवाल, देव राज शर्मा, विदु सजन व अन्य सदस्यों ने कहा कि पंचकूला के कई सेक्टरों में लोगों ने अपने मकानों के बाहर अवैध अतिक्रमण कर रखा है, जिससे आम नागरिकों

को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मंच का कहना है कि कई स्थानों पर मकानों की बाहरी दीवारों और सड़कों के बीच की खाली जगह को निजी उपयोग में लिया जा रहा है, जबकि यह क्षेत्र आम जनता की सुविधा और सुरक्षित आवागमन के लिए छोड़ा गया था। पत्र में मांग की गई है कि सेक्टर-4 सहित अन्य क्षेत्रों में बनी अवैध चबूतरे और कब्जों को हटाया जाए। साथ ही जो लोग अपनी गाड़ियों को निर्धारित पार्किंग की बजाय सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर खड़ा करते हैं, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। विकास मंच ने यह भी मुद्दा उठाया कि कई मकानों के पीछे अवैध रूप से गेट खोले गए हैं, जिससे सुरक्षा और यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है।